निदेशक की कलम से

प्रिय विद्यार्थियों,

मेहाड़ा जाटूवास स्थित राजस्थान सरकार द्वारा स्थाई मान्यता प्राप्त एवम् पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर से सम्बद्ध जी.आर. मैमोरियल पी.जी. कॉलेज मेहाड़ा जाटूवास में आपका हार्दिक स्वागत है। आर्थिक दृष्टि से पिछड़े इस क्षेत्र में शिक्षा और संस्कृति के विकास हेतु इस महाविद्यालय का सन् 2006 में बीजारोपण किया गया। महाविद्यालय के तेरह वर्ष सफलतम् पूर्ण होने पर आप सब बधाई के पात्र हैं।

इस महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला एवं विज्ञान संकाय के साथ–साथ स्नातकोत्तर स्तर पर इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान एवं हिन्दी साहित्य की कक्षाऐं चलाई जा रही हैं।

गत् वर्षों में अनुभवी और योग्य प्राचार्य एवं शिक्षकों के सहयोग से विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम सुनिश्चित रूप से चलता रहा है। महाविद्यालय में खेल–कूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया जाता है। मुझे आशा है कि इन सब का अधिक से अधिक लाभ उठाकर आप सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचकर राष्ट्र निर्माण में अपना नाम जोड़कर अपने गाँव, ढ़ाणी, राज्य एवं राष्ट्र का नाम रोशन करंगे।

हमारा उद्देश्य इस ग्रामीण अंचल में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है।

मैं विश्वास व्यक्त करता हूँ कि आपके भविष्य को उज्ज्वल करने तथा जीवन सफल बनाने के लिए महाविद्यालय परिवार पूर्ण प्रयत्नशील रहेगा।

अभिभावकों के लिए आवश्यक सूचना

महाविद्यालय परिवार के सभी विद्यार्थी अभिभावकों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ एवं आपसे अपेक्षा करता हूँ कि महाविद्यालय द्वारा जारी इस सूचना पुस्तिका में निहित समस्त नियमों का भली–भाँति अध्ययन करेंगे।

महाविद्यालय में कक्षाएँ जुलाई से नियमित रूप से प्रारम्भ हो जाती हैं अतः अभिभावकों से निवेदन है कि वे बच्चों को नियमित महाविद्यालय में भेजें ताकि कोई बच्चा कक्षा से वंचित ना रहे।

आपका ध्यान विशेष रूप से उपस्थिति से सम्बन्धित नियमों की ओर दिलाना चाहूँगा। राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति स्वीकार की गई है जिसका कठोरतापूर्वक लागू करने का निर्णय लिया गया है। उपस्थिति का योग सत्र के प्रारम्भ से ही लिया जायेगा।

75 प्रतिशत से कम उपस्थिति होने की दशा में या विद्यार्थी द्वारा अनुशासनहीन कार्यवाही करने पर या पूर्ण फीस अदायगी न होने की दशा में आपका संरक्षित परीक्षा में बैठने से वंचित कर दिया जायेगा तथा वर्ष के निरर्थक होने के जिम्मेवार आप स्वयं होंगे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

निदेशक
उदय शर्मा